Batch – 2023-24

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

परीक्षा : दिसंबर – २०२३

सत्र – १

विषय : प्राचीन काव्य – (भाग–१) (HDS - 102)

दि.: २९/१२/२०२३ **कुल अंक : १००** **समय : प्रातः १०.०० से दो १.००**

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

प्र. १ 'पद्मावत' काव्य में वर्णित प्रेमभाव का विवेचन कीजिए ।

प्र. २ 'पद्मावत' काव्य में चित्रित वियोग वर्णन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ३ 'पद्मावत' काव्य में चित्रित प्रकृति के विविध रुपों का विवेचन कीजिए ।

प्र. ४ कबीर जी की रचनाओं में अभिव्यक्त भक्तिभावना को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ५ कबीर जी की रचनाओं में वर्णित परमात्मा के प्रति विरहभावना को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ६ कबीर जी के समाजसुधारक रुप को स्पष्ट करके, उसके महत्व को रेखांकित कीजिए ।

प्र. ७ तुलसीदास विरचित 'विनय–पत्रिका' की विशेषताओं पर सविस्तार प्रकाश डालिए ।

प्र. ८ 'विनय–पत्रिका' में अभिव्यक्त भक्तिरस का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

प्र. ९ **निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की स–संदर्भ व्याख्या कीजिए ।**

१. हरि मोरा पिउ मैं हरि की बहुरिया,
राम बड़े मैं तनक लहुरिया ।

२. ऐसी मूढ़ता या मन की ।
परि हरि राम भगति सुररसरिता,
आस करत ओस कन की ।

३. पायो नाम चारुचिंतामनि,
उर कर ते न खसै हौ,
स्याम रुप सुचि रुचिर कसौटी,
चित कंचनहि कसै हौ ।

४. नैन जो देखे कँवल । भए निरमय नीर सरीर ।
हँसत जो देखे हँस भए, दसन जोति नग हीर ।।

प्र.१० **निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।**

१. पद्मावती का चरित्र चित्रण
२. कबीर जी की भाषा की विशेषता
३. 'विनय पत्रिका' में गीतितत्व
४. 'विनय पत्रिका' में अलंकार ।